



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

219  
5

विशेष संस्करण

EXTRAORDINARY

भाग I—संख्या 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 52] नई बिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 1, 1977 चैत्र 11, 1899

No. 52] NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 1, 1977/CHAITRA 11, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे ये अलग संकलन के लिए मौखिक रूप से संरक्षित हों।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

### बजट 1977-78

### वित्त मंत्री का भाषण

### 28 मार्च, 1977

महोदय,

मैं इस महान सदन में बजट पेश करता हूँ।

जो बजट और अनुदानों की मार्गे सानन्दीय सदस्यों में इस समय वितरित की जा रही हैं वह पूर्वती सरकार द्वारा दिये गये निर्देशों के आधार पर तैयार की गई थी। मैं युह में ही यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि हालांकि इसकी प्रतियोगिता वितरित की जा रही है लेकिन यह हमारे दृष्टिलींग, नीतियों और कार्यक्रमों की मूलक नहीं देता है।

Division.	10D
Div. No.	1-247-043
Date of	Apr. 11, 1977
Call No.	25-11-18
Processed	Checked
Date of Transfer	

2. जब से हमरी कार्यभार संभाला तब से हाजा समय नहीं था कि इन भ्रमणार्थों को नये सिरे से तैयार किया जाता और बजट बंदों को किर से छागा जाता। जो वार्षिक वित्तीय विवरण और भ्रमणार्थों को मार्गे पहुँच से तैयार हो चुकी हैं, उन को पेश करने का प्रयोजन विस्तृत सीमित है कि 31 मार्च, 1977 से पहुँचे लेखानुदान प्राप्त करने की संविधानिक प्रावश्यकता को पूरा किया जाए। इस से सरकार को आगामी वित्तीय वर्ष के शुरू के बार मरींगों के दौरान जड़ी बर्दं करने में विवेरड द्वारा स्वीकृति मिल सकती।

3. मार्च, 1976 में पेश किये ये चालू वित्तीय वर्ष के बजट में कुल मिला कर 329 करोड़ रुपये का आया दिया गया था। वर्ष में कुछ बढ़ि होने के कारण जो कुछ हर तरफ विविध राजस्व प्राप्त होने से पूरी हुई, भ्रमणान है कि इस वर्ष 425 करोड़ रुपये का आया होगा। ऐसे लिये यह प्रावश्यक नहीं है कि चालू वर्ष की बजट बंदों का, स्टार्टिंग जिनको कोई भी विश्वेशारी भौमिका सरकार वर्षों से बहातो, और पार के बाबते रखें।

4. बैंक बजट तैयार हुआ है उड़े भ्रमणार 1976-77 के लंबो-बंदों भ्रमणार्थों में 13,759 करोड़ रुपयों की तुलना में 1977-78 के दौरान भ्रमणान है कि विविध शार्टेज भर्ता कुल 14,910 करोड़ रुपयों की प्राप्तियाँ होंगी और चालू वर्ष के लंबो-बंदों भ्रमणार्थों के 14,184 करोड़ रुपयों में वर्ष की तुलना में आगामी वर्ष में 18,542 करोड़ रुपयों का लगें होगा। यह आयोजनाभिन्न और आयोजना दोनों लेनदेनों में वर्ष में बढ़ि होने वे कलस्त तथा है।

5. 1977-78 के लिये आयोजना में देन्द्रीय लेन का परिमाण 5,053 करोड़ रुपये का है और इस के लिये केंद्रीय बजट में 4,093 करोड़ रुपये रखे गये हैं। यह सिल्वर वर्ष (1976-77) के 4,090 करोड़ रुपये में परिवर्त्त और बजट स्तर पर 3,347 करोड़ रुपये की बजट अवस्था के भ्रमणार है। वर्ष 1977-78 के इस भ्रमणार्थों में राज्यों, संघ राज्य लेनदेनों और पहाड़ी व जनजाति लेनदेनों से सं।।। विभिन्न कार्यक्रमों, उत्तर पूर्वी परिवहन, आम वित्तीकरण नियम तथा ग्रान्ड्र एवं इह सूची कार्यक्रम के लिये देन्द्रीय सहायता के रूप में 1,692 करोड़ रुपये रखे गये हैं। चालू वर्ष में इन कार्यों के लिये 1,412 करोड़ रुपये रखे गये थे। देन्द्र, राज्यों और संघ राज्य लेनदेनों को मिला कर बजट में 1977-78 के लिये कुल 9,953 करोड़ रुपये का आयोजना परिवर्त्त रखा था है जब कि 1976-77 के बजट भ्रमणान में यह 7,852 करोड़ रुपये का था।

6. इस बजट में जो प्रस्ताव किये गये हैं उन का निवाप प्रमाण यह होगा कि कुल मिला कर 1,432 करोड़ रुपये का आया रहेगा। परन्तु, विवेको मूला प्रारम्भित नियम में जो

निकासी के तौर पर 800 करोड़ रुपये के विवेत उदारों को बजट में इस अनुमान के: भारत पर जमा में मान लिया गया है कि इस तरह के उदारों से कोई स्थितिकारी प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि यह उदार आयात में बढ़ि कर पूरा हो जाएगा। इस के अनुसार बजट प्रलेखों में निवल घाटा 632 करोड़ रुपये का दिखाया गया है।

7. चूंकि बोर बस्तुओं का भूत्य सूचकांक मार्च 1976 से 12.5 प्रतिशत वह गया है इसलिये इस संदर्भ में किसी भी प्रकार के घाटे की वित अवस्था करना चिन्हा का विषय है। सरकार को यह दृष्टि विवास है कि कार की ओर जाती हुई कीमतों को नीचे की ओर उतारने के लिये और कीमतों में युक्तिगुण विवरण सारे हैं कि लिये सरकारी वर्ष की ऐसी अवस्था को दूर रखा जाये जिससे स्थितिकारी दवावों को बल मिलता हो। हम पांचवी आयोजना की समीक्षा करने और बजट अनुमानों में संबोधन करने के लिये दृष्टि संकल्प हैं जिससे यह हमारे दृष्टिकोण और प्रायमिकताओं को प्रस्तुत करें। हमारा इरादा नियमित बजट के संबंध में इह सारी प्रक्रिया को विशिष्ट अवधि में पूरा करने का है क्योंकि यह बजट मार्च 1977 में पैदा किया जाएगा।

8. इस दीच में अपने मंत्रालय से कहा है कि यह सभी मंत्रालयों, विभागों और केन्द्रीय सरकार के पश्चीन सरकारी जेताओं के सभी उपक्रमों से यह अनुरोध करे कि यह उक हम अपनी समीक्षा को पूरा न कर लें तब तक वे न तो कोई नई स्त्रीय लुक करें और न ही कोई ऐसा नया काम हाथ में लें जिस पर भारी जर्दी की गुंजाई हो। यो स्त्रीमें इस संबंध जारी है उन को फिर से तैयार करने और कार्यक्रम को फिर से निर्धारित करने की संभावना पर भी विचार किया जाएगा। सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों तथा सरकारी वेद की एवं सियों से कहा जाएगा कि वे साथी और सभी तरह हैं तब उक भड़क के जर्दी को कम करने के बारे में भौमूदा सरकार द्वारा जोर देने की नीति को ध्यान में रख कर जर्दी में अद्यादा से ज्यादा किफायत करें।

9. भारत को जनता यह चाहती है और जैसा कि भुनावों से स्पष्ट हो गया है कि हमारी आर्थिक नीतियों और प्रायमिकताओं में इस तरह का सोड़ साने की सज्ज जहरत है जिससे यह आर्थिक विकास, गरीबी और बेरोजगारी को तेजी से दूर करने और प्राय और सम्पत्ति की असमानताओं को उत्तरोत्तर कम करने के: हमारे सभ्य को पूरा करने में सहयोग सिद्ध हो सके। जनता में हमारी निष्ठा बनी रहेगी, सद्व इस बात से निश्चित रहे। आगे का हमारा काम कठिन है लेकिन हमें पूरा विवास है कि हम जनता हैं जुरे दिन से समर्दन और सद्व्याव से हम अपने जट्य को पूरा करेंगे।

# Budget 1977-78

## Speech of Minister of Finance

### 28th March, 1977

I rise to present the Budget to this august House.

The Budget and the demands for grants that are being made available to Honourable Members were prepared on the basis of the directions given by the previous Government. I would like to make it clear at the outset that though these have been circulated, they do not reflect our philosophy, policies, and programmes.

2. There was no time since we assumed office to recast these estimates and to print the Budget documents afresh. The annual financial statement and the demands for grants prepared earlier will serve the limited purpose of fulfilling the Constitutional requirements for taking a Vote on Account before the 31st March, 1977. This will enable Government to meet essential expenditure during the first four months of the ensuing financial year.

3. The Budget for the current financial year presented in March, 1976 envisaged an overall deficit of Rs. 328 crores. Due to certain increases in expenditure, partly offset by improvement in receipts, the year is expected to close with a deficit of Rs. 425 crores. It is not necessary for me to take you over the various details of the budgetary developments during the current year for which the present Government can obviously assume no responsibility.

4. According to the Budget as prepared, while total receipts are expected to go up during the year 1977-78 to Rs 14,910 crores as compared with the figure of Rs. 13,759 crores in the Revised Estimates for 1976-77, expenditure for the ensuing year is estimated at Rs 15,042 crores as against the current year's Revised Estimate of Rs. 14,184 crores. This position has resulted from an increase in both non-Plan and Plan expenditure.

5. The Central Sector of the Plan for 1977-78 involves an outlay of Rs 5,053 crores and will make a draft on the Central Budget of Rs 4,096 crores. This compares with the preceding year's (1976-77) outlay of Rs 4,090 crores and a budgetary support of Rs 3,347 crores at the Budget stage. Central assistance to States and Union Territories, and for various programmes concerning the Hill and Tribal areas, the North Eastern Council and Rural Electrification Corporation as well as the Andhra Six Point Formula amounts to Rs. 1,692 crores according to these estimates for the year 1977-78. The corresponding figure for the current year is Rs 1,412 crores. Taking Centre, States and Union Territories together the Budget envisages a total Plan outlay for 1977-78 of Rs. 9,953 crores as compared with Rs. 7,852 crores in the Budget Estimates of 1976-77.

6. The net effect of the proposals made in the Budget would be an overall deficit of Rs. 1,432 crores. However, the Budget takes credit for special borrowings of the order of Rs. 800 crores against drawal of foreign exchange reserves, the assumption being that such borrowing would be non-inflationary, as it is covered by increased imports of goods. Accordingly, the Budget document shows a net deficit of Rs. 632 crores.

7. In the context of the rise in the whole-sale price index of 12.5 per cent that has occurred since March, 1976, any deficit financing has to be viewed with concern. In order to reverse the rising trend of prices and to usher in a period of reasonable price stability, the Government are of the firm view that financing of public expenditure in a manner which would generate inflationary pressures should be eschewed.

It is our firm resolve to review the Fifth Plan and to revise the Budget Estimates so that they reflect our thinking and priorities. We propose to complete this exercise in time for the regular Budget which will be presented in May, 1977

8. Meanwhile, I have asked my Ministry to request all Ministries, Departments and Public Sector Undertakings under the control of the Central Government not to take up new schemes and not to enter into fresh major commitments till we have completed our review. The possibility of rephasing and re-scheduling continuing schemes would also be explored. All Ministries and Departments of Government, and Public Sector Agencies will be asked to observe the utmost economy in expenditure, keeping in view the present Government's emphasis on austerity, and avoidance of all forms of ostentation.

9. It is the will of the people of India as expressed unequivocally at the Polls, that there is an urgent need to re-direct our economic policies and priorities so as to ensure that economic growth subserves the objectives of speedy eradication of poverty and unemployment, and a progressive reduction in inequalities of income and wealth. The House may rest assured that we shall keep our faith with the people. The task ahead is formidable, but with the willing support and goodwill of the people, we are confident that we shall achieve our objective.

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
भूमिका तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,  
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS DELHI, 1977

